RAJYA SABHA

Tuesday, the 3rd March, 1992/13 Phalguna, 1913 (Saka)

The House met at eleven of the Clock.

Mr. Chairman in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

गोवा में पर्यटन स्थलों की स्थापना

*31. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या **नागर विमानन और पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार जापान के सहयोग से गोवा के तटवर्ती क्षेत्र में पर्यटन केन्द्र अथवा पर्यटन स्थल स्थापित करने की कोई योजना बना रही है ;

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है और इस संबंध में कार्य कब से आरम्भ होने की सम्भावना है ;

(ग) क्या पर्यावरण की दृष्टि से इस योजना की जांच की गई है ; और

(घ) क्या इन पर्यटन केन्द्रों में भारतीयों को प्रवेश की अनुमति होगी ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CIVIL IN THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI M. O. H. FAROOK): (a) to (d) The feasibility of setting up of a tourist village in Goa is presently under the consideration of the Government of Japan. The details are yet to be finalised. However, this village, if setup will be accessible both to Indian and foreign tourists.

श्री शंकर दयाल सिंह : सभापति जी, सरकार की ओर से जो जवाब आया है, वह कुछ नहीं है । इसलिए कि मैंने जो जानना चाहा है, उसके बारे में आपने कुछ नहीं कहा है ।

सभापति जी, मेरे सवाल का मुख्य उद्देश्य यह है कि जो समाचार अखबारों में आए हैं, उससे ऐसा पता चलता है कि गोवा में जापानियों के लिए ऐशगाह बनायी जा रही है और जापानी सरकार, जापानी फर्मों के साथ भारत सरकार का एक एग्रीमेंट होने जा रहा है और वह एग्रीमेंट बड़ा खतरनाक एग्रीमेंट है । उस एग्रीमेंट के अनुसार भारत सरकार इस बात की तैयारी कर रही है जापान के साथ कि वहां पर होलिडे विलेज बने जिसमें आधुनिकतम होटल, गल्फ कोर्स, हैल्थ क्लब, विडसर विंग बने । इसके अलावा पहली बार ऐसा हो रहा है कि केवल विदेशी नागरिकों के लिए सुरक्षित पर्यटन स्थल स्थापित किए जा रहे हैं जहां कि कोई भारतीय प्रवेश नहीं करेगा । सभापति जी, पर्यावरण को भी इससे खतरा है । सभापति जी, मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहता हूं सीधे तौर पर कि ठीक है गोवा आज पर्यटकों को आकर्षित कर रहा है और काश्मीर को जब से गृह दशा लगी है तब से देश और विदेश के पर्यटक गोवा की ओर जा रहे हैं । मैं आपसे सीधे तौर से जानना चाहता हूं कि क्या जापान के साथ भारत सरकार ने इस तरह का कोई एग्रीमेंट शुरू किया है ? इस संबंध में कोई बैठक हुई है ? दूसरी बात यह कि इस संबंध में बोहरा कमेटी की जो रिपोर्ट आने को है पर्यावरण के संबंध में, उस बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

SHRI M. O. H. FAROOK: Sir, the Ministry of Transport of the Government of Japan had finalised a plan in May 1989 to give support to set up holiday villages in developing countries. The primary objective of the plan is to support the developing countries to promote their tourism potential, thereby helping them to earn foreign exchange. On that basis, an International Tourism Development Institution was set up by the Government of Japan to conduct tourism-related survey projects in developing nations. On that basis, a team has visited India in the month of August, 1991 and toured various places in the

States of Haryana, Rajasthan, Maharashtra and Goa for selection of the sites of development for setting up holiday villages. They have surveyed 32 sites. Initially, they had favoured three sites in Rajasthan, Maharashtra and Goa. Finally, they have come up to the level of Arambol in Goa. But nothing has been finalised. They are studying the whole thing. Sir, by the end of this month or in the first week of next month they will tell what they are going to do. So far there is nothing concrete which has been done.

श्री शंकर दयाल सिंह : सभापतिजी, यह बात सही है कि हमको फारेन एक्सचेन्ज की जरूरत है और यह भी सही है कि दुनिया में आज जापन की स्थिति वैसी है कि आर्थिक रूप से मदद के लिए सारे विश्व के देश उनके साथ संधि करने को उत्सुक हैं, लेकिन मैं एक बात, सभापति जी, कहना चाहता हूं कि जापान से प्रति महीने एक सेक्स टूर के नाम पर थाईलैण्ड चार्टर प्लेन जाता है । दूसरी बात यह है कि....

श्री सभापति : अब आप प्रश्न ही कर लें, तो अच्छा है, पूरक प्रश्न ।

श्री शंकर दयाल सिंह : मैं प्रश्न कर रहा हूं । दूसरी बात यह है कि सेकेण्ड वर्ल्ड वार में, आपने अभी देखा होगा कि साउथ कोरिया में जब जापान के प्रधानमंत्री का दौरा शुरू हुआ तो साउथ-कोरिया से औरतों ने कहा कि हम उनको यहां आने नहीं देंगे, इसलिए कि सेकेण्ड वर्ल्ड वार में साउथ कोरिया से औरतें उनकी सेना के लिए सप्लाई की जाती थीं । मैं, सभापति जी, सरकार से जानना चाहता हूं... **(व्यवधान)**... हम अपनी संस्कृति को बर्बाद कर के यह नहीं चाहते हैं कि कोई भी विदेशी आरामगाह या सैरगाह भारत की धरती पर बने।...

श्री सभापति : अब आप प्रश्न कर लें ।

श्री शंकर दयाल सिंह : इसलिए हम आपसे सीधा प्रश्न करना चाहते हैं कि आप यह बताएं कि क्या सरकार जो भी प्लाट जापानी विलेज के लिए जापान को देगी उस पर नियंत्रण जापान सरकार का नहीं होकर भारत सरकार का रहेगा ? नंबर एक । नंबर दो, वहां भारतीयों को प्रवेश मिलेगा ।...

श्री सभापति : सप्लीमेंटरी एक पर्मिटेड होता है ।

श्री शंकर दयाल सिंह : और, नंबर तीन, हम यह जानना चाहते हैं कि उसे वे केवल सैरगाह के लिए उपयोग में नहीं लाएंगे, जिससे हमारी संस्कृति विकृत हो ।

SHRI M. O. H. FAROOK: Sir, I can understand the concern of our hon. Member. As I have already told, there is no such concrete proposal from the Government of Japan. After they have given by their proposal, we will study and try to do it. I can assure you that we will not compromise on our culture and civilization for these people. That is definitely there. I can assure the House that we will not compromise at any level.

श्री सुरेश पचौरी : माननीय सभापति जी, यहां तक गोवा के टूरिस्ट प्लेस की स्थापना का प्रश्न है, विभिन्न समाचार-पत्रों में यह आशंका व्यक्त की गई है कि इससे पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा । मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि जिस बोहरा कमेटी का गठन किया गया है, बी० बी० बोहरा कमेटी का, जिसमें होटल इंडस्ट्री का प्रतिनिधि एनवायरमेंट मिनिस्टरी का प्रतिनिधि और टूरिज्म डिपार्टमेंट के प्रतिनिधि शामिल हैं। जैसा कि, मंत्री जी ने बताया कि वह टूरिज्म विलेज की स्थापना का मामला अभी विचाराधीन है, तो जब इस प्रकार की अनुमति देंगे तो क्या बोहरा कमेटी की संस्तुति और सिफारिशों का ध्यान रखेंगे और साथ ही एनवायरमेंट जो नोन-वायलेंट हो रहे हैं, क्या उन टूरिज्म विलेजेज को डीरिकोगनाइज किया जाएगा ?

SHRI M. O. H. FAROOK: Sir, I am repeating again and again that there is no such proposal that has come from the Government of Japan. After it comes to us, only then we will be able to go into the environmental angle. I can assure you, Sir, there shall be a balance between ecology and tourism and the committee will look into it. When it comes over here only then we can decide it.

MR. CHAIRMAN: Shri M. Vincent.

SHRI M. VINCENT: Sir, like Goa, Kanyakumari is also a coastal tourist centre. Like Goa, Kanyakumari is also an international tourist centre. Kanyakumari has all the features of Goa. Near about 10,000 tourists are visiting Kanyakumari daily. Out of them only 40 to 50 tourists are foreign tourists. That is because no facilities have been made available to attract foreign tourists. In Kanyakumari there is no Star Hotels for their comfortable stay. There is no Vayudoot service for speedy journey. Kanyakumari is the only place in India where we can see both the sum-set and sun-rise. Kanyakumari is the only place in India from where we can see three seas. So, I would like to know from the Minister whether like Goa, the Government will prepare a scheme to set up a tourist resort or tourist village in the coastal area of Kanyakumari in collaboration with Japan.

SHRI M O. H. FAROOK: While appreciating the advantages which he has been telling about Kanyakumari, I would like to bring to the notice of the House that primarily the choice is left to the Japanese Government as to which resort they would like to first of all select. Then only we will be able to do something. If they select Kanyakumari over and above Goa, We will be happy to do it. It is not a question of ourselves suggesting this area. It is a question of their going over, that is, to the places they would like to go and develop.

SHRI SANTOSH BAGRODIA: The hon. Minister mentioned that this team visited Rajasthan. I would like to know which place of Rajasthan they visited. Will the Government allow more tourist centres and tourist resorts in other parts of India, particularly, in Rajasthan, Tripura, the border areas of the North-Eastern region and also islands like Lakshadweep and Andaman & Nicobar?

SHRI M. O. H. FAROOK: Sir, that committee visited Rajasthan and they also visited about six places in that State and in their recommendation, Ranthambore is the best place in Rajasthan. And among places in Rajasthan, Maharashtra, Haryana and Goa, they have selected Goa.

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : माननीय सभापति जी, जापान का एक इन्टरनेशनल टूरिस्ट डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट है, शायद उसी ने यह प्रस्ताव रखा है और समाचार-पत्रों में भी खबर आई थी कि इस इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञ दल गोवा का भ्रमण किया है और कदाचित केन्द्र सरकार के अधिकारियों से और गोवा सरकार के अधिकारियों से बातचीत भी की है। तो मैं यह जानना चाहता हूं कि इस इंस्टीट्यूट का जो विशेषज्ञ-दल है आखिर इसने क्या प्रस्ताव रखा है सरकार के सामने का इस मंत्रालय के समक्ष ?

SHRI M. O. H. FAROOK: I have already said that they just went there to have a survey. They had gone over there with certain proposals. Among Rajasthan, Haryana, Maharashtra and Goa, they have selected Goa. They have not taken a decision and they have not sent us back any of their proposals.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA: My question is not about the foreign tourists. My question is whether there has been any discussion of the Ministry officials with the officials of the Government of Goa in this regard?

SHRI M. O. H. FAROOK: There has been a discussion with the team when they went there. They had a preliminary discussion.

SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA: What is that proposal?

SHRI M. O. H. FAROOK: They want to have a tourist village as per their choice. That is all.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: I am very happy with the hon. Minister's reply that in Goa, something is going on with Japanese collaboration.

MR. CHAIRMAN: You put your question.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: The Minister has also stated in his reply that the team has visited Maharshtra and other parts of the country. The entire coastal link between Bombay and Goa is full of beautiful spots and the Maharashtra Tourist Development Corporation is trying its level best to set up new tourist centres on that coast. May I know, apart from the Japanese coordination with the Government of India and India Tourism Development Corporation, what type of hotels they have set up in Goa? Recently, I visited Goa and I found the hotels of Taj group and Agra group. What is ITDC doing? A number of tourists from all over the world visit Goa because the weather of Goa...

MR. CHAIRMAN: He has understood the question.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: What is ITDC doing?

MR. CHAIRMAN: Is your question about whether ITDC is doing something in Goa?

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: I would like to know whether the ITDC is going to set up new hotels to promote tourism.

SHRI M. O. H. FAROOK: At present, we are not going to set up any ITDC hotels in Goa. Already there are five-star hotels in Goa and three-star hotels which are privately run. Also, there are two-star hotels and one-star hotels in Goa. So, we do not feel that there is any necessity for ITDC hotels.

SHRI M. A. BABY: While appreciating the steps taken by the Government to promote tourism especially in the background of precarious balance of payments position, I am afraid, the steps taken by the Government are not keeping the larger interests of the country in mind. I read that the more sensitive parts of Andaman & Nicobar, which was a sensitive area from the defence point of view until now, have been opened up with foreign collaboration for attracting tourists. I want to know whether the ramifications of such a step from the defence angle were considered before taking such a decision. Also, has the Ministry consulted the Defence Ministry regarding the ramifications of opening up these places for tourists? About liberalisation, one can understand with restrant. But this is very important.

SHRI M. O. H. FAROOK: This is something which is connected with Andamans and other places. But I would like to tell the honourable Member, when we take a decision about some tourism promotion scheme, consultations with the other Ministries are held and only after getting their clearance, we are able to do that.

Impact of abolition of posts and Austerity measures in Government departments

*82. SHRI SHIV PRATAP MISHRA:†
MISS SAROJ KHAPAHDE:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what is the amount of money expected to be saved as a result of abolition of 1000 posts and reduction of travel cost by 20 per cent as announced by Prime Minister in the last week of December, 1991;

---

†The question was asked on the floor of the House by Shri Shiv Pratap Mishra.